वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 89 | मंगलवार 23 जुलाई 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राम भजन पर कथक की मनमोहक प्रस्तुतियां

गुरुश्री प्रवीण गंगानी महोत्सव में नृत्य के जरिए गुरु को दी श्रद्धांजलि

जयपुर. कासं

श्री राम चंद्र कृपाल भजमन.... भजन पर डॉ. सीमंतिनि चतुर्वेदी, आयुषी चतुर्वेदी, डॉ. निधि चतुवेर्दी और सत्तिका ने अत्यंत भावपूर्ण प्रस्तुति दी तो सभागार में एक बारगी कथक नृत्य का ठहराव नजर आया। अवसर रहा जवाहर कला केन्द्र के रंगायन सभागार में गुरु पूर्णिमा पर्व पर सोमवार को उपांग कथक नृत्य कला केंद्र की ओर से आयोजित गुरु श्री प्रवीण गंगानी महोत्सव का। केंद्र के निदेशक जय कुमार जंवड़ा व शिष्यों ने सामूहिक रूप से गुरु प्रवीण गंगानी को श्रदांजलि और नृत्यांजलि भेंट की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सचिव व मुख्य निर्वाचन अधिकारी राज्य निर्वाचन आयोग संचिता विश्नोई रही। उन्होंने छात्राओं की प्रस्तुति को सराहा और कहा कि इस प्रकर के कार्यरूप हमारे विचारों और संस्कृति की जीवित बनाए हुए हैं। हम सभी के जीवन व प्रगति में गुरु का योगदान सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी राम सहाय शर्मा और हितेश गौतम उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ भंवर लाल जंवड़ा की गणेश वंदना से हुआ। सुजाता मोडिया ने सितार पर व तबले पर सूरज मोठिया की जुगलबंदी ने सावन के मौसम में समां बांध दिया। योगेश, मोहित चौहान और भानवेन्द्र शंकर डांगी ने कैलाश रंजनी प्रस्तुत किया। वहीं तबले की जुगलबंदी में मोहित चौहान और शंकर डांगी अद्‌भुत रहे। समारोह के अंत में अष्टमंगल में मात्रा सहित साक्षी, पोशाली, अंजली, अवनी, कोमल, माया, प्रशस्ति, काव्या, संगीता और रितिका ने प्रस्तुति दी। इसमें तोड़े, परण, चक्करदार परण आदि नृत्य की बारिकियों का बखूबी चित्रण किया गया। कार्यक्रम के समापन में कथक नृत्य गुरू जय कुमार जंवडा ने नृत्य के माध्यम से अपने गुरु को नृत्यांजली दी। कार्यक्रम संचालन आकांक्षा शंकर कौशिक ने किया।

केन्द्रीय विद्यालय-1 में मेधावी विद्यार्थियों के लिए सम्मान समारोह आयोजित

विभिन्न श्रेणियों में दिए 21 पुरस्कार; पौधारोपण से हुआ कार्यक्रम का समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया

बजाज नगर स्थित केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक - 1 के शैक्षिक सत्र 2023- 24 के मेधावी विद्यार्थियों के लिए सम्मान समारोह सोमवार को स्कूल के सभागार में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में उन छात्रों को प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह और चेक प्रदान किए गए जिन्होंने बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया अथवा विभिन्न विषयों में 100% अंक प्राप्त किए। मुख्य अतिथि डॉ. हेमंत कुमार भारतीय ने छात्रों को पुरस्कार वितरित किए और उनके उज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने छात्रों की कड़ी मेहनत और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि यह पुरस्कार उनकी मेहनत का परिणाम है और उन्हें भविष्य में भी ऐसे ही उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करता रहेगा। विशेष अतिथि डॉ. राज कुमार शर्मा ने भी छात्रों को बधाई दी और कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में इस तरह के सम्मान छात्रों को और बेहतर करने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने छात्रों को जीवन में अनुशासन और लक्ष्य की महत्वपूर्णता पर भी बल दिया। केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-1 के वर्तमान प्राचार्य अरविंद कुमार ने विद्यालय की एलुमिनाई द्वारा शुरू की गई इस मुहिम के लिए सबका हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा का इस प्रकार के आयोजन अन्य छात्र व छात्राओं को भी अधिक से अधिक अंक लाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। कार्यक्रम की संयोजिका ममता सुराना ने बताया कि विभिन्न श्रेणियों में कुल 21 पुरस्कार दिए गए। इस मौके पर एलुमिनाई की अध्यक्षा पूनम खंगारोत व सेक्रेटरी रवि सक्सेना भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में देश-विदेश से आए विभिन्न एलुमिनाई ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. निशा जैन व डॉ. शैफाली मेंदीरत्ता ने किया। कार्यक्रम का समापन पौधारोपण के साथ हुआ, जिसमें सभी अतिथियों, छात्रों और उनके अभिभावकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। यह पौधारोपण पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया।

मनीषा गुलयानी और मोहम्मद अमान की प्रस्तुति से होगा आगाज

जेकेके में छह दिवसीय नटराज महोत्सव में दिखेगी संगीत, साहित्य और रंगमंच की त्रिवेणी

जयपुर. कासं

जवाहर कला केंद्र में 23 से 28 जुलाई तक छह दिवसीय नटराज महोत्सव होने जा रहा है। जवाहर कला केन्द्र की सहभागिता में एयू बैंक, रजा फाउंडेशन और फोर्थ वॉल सोसाइटी के संयोजन से होने वाले महोत्सव की तैयारियां पूरी कर ली गई है। इसमें रंगमंच, गायन व नृत्य का संयोजन देखने को मिलेगा। पहली बार किसी थिएटर फेस्टिवल में रेड कार्पेट होगा। 23 जुलाई को मनीषा गुलयानी की कथक और मो. अमान की शास्त्रीय गायन प्रस्तुति के साथ महोत्सव का उद्घाटन होगा। 24 जुलाई से 28 जुलाई तक प्रतिदिन शाम सात बजे नाट्य प्रस्तुति होगी। 24 जुलाई को इश्तियाक खान द्वारा निर्देशित प्रसिद्ध नाटक 'द शैडो ऑफ ओथेलो' का मंचन होगा। 25 जुलाई को देशराज गुर्जर निर्देशित 'गोरधन के जूते' नाटक होगा। 26 जुलाई को, योगेंद्र सिंह के निर्देशन में हेनरिक इब्सन द्वारा लिखित बहुचर्चित नाटक 'एन एनिमी ऑफ द पीपल' का प्रदर्शन होगा। 27 जुलाई को विशाल विजय के निर्देशन में प्रसिद्ध नाटक '12 एंग्री मेन' का मंचन होगा। 28 जुलाई को संवाद प्रवाह में भारत रत्न भार्गव, आलोक चटर्जी, प्रेरणा श्रीमाली और जयंत देशमुख विचार रखेंगे। शाम 7 बजे, जयंत देशमुख निर्देशित और आलोक चटर्जी द्वारा अभिनीत प्रसिद्ध नाटक 'नटसम्राट' के मंचन के साथ महोत्सव का समापन होगा।

कीर्ति नगर जैन मंदिर में जयकारों के बीच मुनि श्री समत्व सागर के चातुर्मास मंगल कलश की स्थापना

जयपुर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर के परम प्रभावक शिष्य मुनिश्री 108 समत्व सागर जी महाराज व परम पूज्ये मुनिश्री 108 शील सागर जी महाराज के चातुर्मास ह्लमंथनह्न वषायोग जयपुर के मंगल कलश की स्थापना टोंक रोड स्थित कीर्तिनगर जैन मंदिर में हुई। प्रथम कलश लेने का सौभाग्य मुनिभक्त व समाजश्रेष्ठी राजीव-सीमा जैन गाजियाबाद,राहुल,सौम्य पाटनी,अरिहंत व प्रिंसी जैन को प्राप्त हुआ। इस मौके पर पूजा-अर्चना के अलावा चित्र अनावरण,दीप प्रज्जलन सहित कई धार्मिक आयोजन हुए। इस दौरान जयपुर के अलावा देश के विभिन्न स्थानों से श्रद्धालु पहुंचे जो इस अनुपममयी दृष्य के सहभागी बने। कलष स्थापना के समय मंदिर प्रांगण जयकारों की मधुर मधुर स्वर लहरियों से गुंजायमान हो उठा। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष अरुण कुमार जैन मटरू व मंत्री जगदीष चन्द जैन ने बताया कि इस मौके पर साजों के साथ पूजन,गुरुभक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। इस मौके पर प्रथम कलष लेने का सौभाग्य मुनिभक्त व समाजश्रेष्ठी राजीव-सीमा जैन गाजियाबाद,राहुल,सौम्य पाटनी,अरिहंत व प्रिंसी जैन को प्राप्त हुआ। दूसरा कलश समाजश्रेष्ठी पारस ठोलिया व तीसरा कलश समाजश्रेष्ठी अशोक-अंकित चांदवाड़ परिवार को प्राप्त हुआ। इसके अलावा अन्य कलशो की स्थापना की गई। सभी श्रेष्ठियों को मंदिर प्रबंध समिति की ओर से स्वागत व सम्मान किया। इस मौके पर मुनिश्री ने चातुर्मास क्यों होता है,उसके महत्व पर प्रकाष डालते हुए कहा कि सभी समाजबंधुओं की चातुर्मास में अधिक से साधना कर अपने जीवन को सफल बनाना चाहिए। इसके बाद देवनगर चौराहे पर मुनिश्री प्रणम्य सागर जी व मुनिश्री 108 समत्व सागर जी महाराज व परम पूज्ये मुनिश्री 108 शील सागर जी महाराज का भव्य मिलन हुआ। इस दृष्य को देख लोग भाव-विभोर हो उठे।

गोठी विद्यालय में 'साइंस क्विज' प्रतियोगिता

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। भंवर लाल गोठी पब्लिक सीनियर सेकेंडरी विद्यालय ब्यावर में गुरु पूर्णिमा पर्व व 'साइंस क्विज' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम विद्यालय प्रांगण में प्रधानाचार्या व उप प्रधानाचार्या द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित किया गया।तत्पश्चात विद्यार्थियों द्वारा गुरुजनों को पुष्प भेंट कर व तिलक लगाकर सम्मान प्रदान किया गया साथ ही संगीत शिक्षिका श्रीमती दिव्या अग्रवाल व छात्र छात्राओं द्वारा गुरुवंदना प्रस्तुत की गई। श्रीमती ज्योति चौहान द्वारा गुरु महिमा बताई गई। तदन्तर 'साइंस क्विज' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया यह प्रतियोगिता पांच राउंड में हाऊस वार रखी गई थी जिसमें कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों ने समय सीमा का ध्यान रखते हुए पूरे जोश व सजगता के साथ अपने ज्ञान कौशल का प्रदर्शन किया। जिसमें 'सम्यक हाउस' ने प्रथम स्थान, 'नवकार हाउस' ने द्वितीय स्थान व 'वर्धमान हाउस' ने तृतीय स्थान प्राप्त कर अपने अपने हाउस का गौरव बढ़ाया। इस अवसर पर विद्यालय प्रधानाचार्या डॉ निवेदिता पाठक ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें वर्तमान समय में विज्ञान व तकनीकी के ज्ञानवर्धन हेतु बढ़ चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया साथ ही विद्यालय उप प्रधानाचार्या श्रीमती सुनीता चौधरी ने भी विज्ञान का हमारे जीवन में महत्व से विद्यार्थियों को अवगत करवाया। 'साइंस क्विज' का संचालन श्रीमती मैरी डेनियल व उनके सहयोगी अध्यापक आशुतोष गोस्वामी, अभिषेक सिंह भाटी, श्रीमती पिंकी गौर द्वारा पांच राउंड में अलग अलग प्रकार से प्रश्न पूछ कर किया गया। इस अवसर पर श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डॉ नरेन्द्र पारख, निदेशक डॉ आर सी लोढा, प्रधानाचार्या डॉ निवेदिता पाठक उप प्रधानाचार्या श्रीमती सुनीता चौधरी ने उपस्थित सभी विद्यार्थियों और अध्यापक अध्यापिकाओं को अभिप्रेरित करते हुए उत्साहवर्धन किया।

दिगंबर जैन स्वस्तिक ग्रुप द्वारा सेवा कार्य के अंतर्गत भोजन करवाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन स्वस्तिक ग्रुप द्वारा आज शंकर सेवा आश्रम में मानव सेवा का कार्य किया गया। इसमें 380 लोगों को भोजन करवाया गया। इसके लिए ₹ 10500 प्रायोजक अनिल कुमार शाह एवं डॉक्टर मंजू पाटनी शाह एवं₹2000 अलग से दिए गए। इस कार्यक्रम में अनिल कुमार शाह, डॉक्टर श्रीमती मंजू शाह पाटनी, अमरचंद पाटनी, श्रीमती कांता पाटनी, विनय कुमार छाबड़ा, चेतन कुमार जैन, श्रीमती रेखा जैन, अशोक कुमार जैन, श्रीमती लक्ष्मी जैन, डॉक्टर श्रीमती मीनाक्षी भारती, श्रीमती कमलेश बाकलीवाल एवं श्रीमती लीना बेनाडा ने भाग लिया।

वर्द्धमान केम्पस में संचालित स्किल डेवलपमेंट सेंटर का अवलोकन कर जिला पुलिस अधीक्षक ने की मुक्त कण्ठ से सराहना

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति ब्यावर द्वारा संचालित वर्द्धमान गर्ल्स पोस्ट ग्रेजुएट कालेज स्थित खेतपालिया स्किल डेवलपमेंट सेन्टर में महानगरों की तर्ज पर, अत्याधुनिक साधन सुविधाओ के साथ संचालित फैशन डिजाइनिंग & मेकअप आर्टिस्ट विंग का अवलोकन कर ब्यावर जिला पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र कुमार ने जमकर सराहना की तथा उन्होंने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि ब्यावर जिले में इस प्रकार की अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं युक्त महिला कौशल विकास केंद्र संचालन अकल्पनीय है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक इंसान में अपनी कला-कौशल छिपा होता है उस कौशल क्षमता को निखारने की आवश्यकता है। इस स्किल डवलपमेंट सेंटर का अवलोकन कर हर्ष प्रकट किया कि यहां महिलाओं एवम युवतियों के लिए लेटेस्ट तकनीक, अनुभवी एवम विषय के पारंगत व अनुभवी ट्रेनर, प्राध्यापक सुलभ है साथ ही युवतियों हेतु वातानुकूलित एवम पूर्णतया सुरक्षित माहौल है। हर्ष व्यक्त करते हुए एस पी साहब ने शीघ्र ही अपनी दोनों बेटियों को भी इस केंद्र का अवलोकन करवाने हेतु अपनी मंशा भी जताई।

श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डॉ. नरेन्द्र पारख, महाविद्यालय प्राचार्य डा आर सी लोढ़ा ने जिला पुलिस अधीक्षक का माल्यार्पण कर हार्दिक स्वागत किया। फैशन डिजाइनिंग केंद्र की प्रभारी छवि गरवाल ने पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिनन्दन किया। मॉस कमन्यूकेशन & जर्निलिज्म व्याख्याता पूजा कांजानी ने वर्तमान सत्र में संचालित विषयों के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए, शैक्षणिक प्रगति एवम भावी योजनाओं का भी उल्लेख किया।

छात्रा लक्षिता का सरकार की ओर से विदेश में निःशुल्क शिक्षा के लिए हुआ चयन

सुधीर शर्मा . शाबाश इंडिया

सीकर। जिले के चार विधार्थियों को विदेश में निःशुल्क शिक्षा के लिए हुए चयन में कुदन की महात्मा गांधी अंग्रेजी राजकीय माध्यमिक विद्यालय की लक्षिता महरिया सुपुत्री विजेन्द्र महरिया को विदेश से निःशुल्क पढ़ाई करने का निमन्त्रण मिला। विद्यालय के प्रधानाचार्या श्रीमती सम्पत सुंडा ने बताया कि 10वीं बोर्ड परीक्षा में मैरीट में पहले तीन स्थान प्राप्त करने वाले विधार्थियों को राज्य सरकार की ओर 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद स्नातक स्तर (चार वर्षीय) की शिक्षा हासिल करने के राजकीय खर्चे पर विदेश में शिक्षा प्राप्त करने की अनुमति राज्य सरकार द्वारा जारी की गई है। विद्यालय की छात्रा को सरकार द्वारा विदेश में शिक्षा प्राप्त करने के लिए मिले निमंत्रण पर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी श्रीमती सुमित्रा झाझडिया व विद्यालय परिवार व परिजनों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए छात्रा को बधाई दी है।

चातुर्मास मंगल कलश स्थापना समारोह में उमड़ा जनसैलाब

विधि विधान से रजतमयी मंगल कलश को स्थापित किया गया

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में श्री दिगंबर जैन अग्रवाल मंदिर जी में बाल योगी मुनि श्री 108 अनुशरण महाराज का चातुर्मास मंगल कलश स्थापना समारोह का आयोजन किया गया जिसमें हजारों श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। जैन समाज की प्रवक्ता विमल जौला व राकेश संघी ने बताया कि चातुर्मास स्थापना समारोह के लिए दोपहर में मुनि श्री को बैंड बाजे के साथ श्री शांति सागर पांडाल में लाया गया। जहां कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य अभिनंदन सागर महाराज की तस्वीर का चित्र अनावरण करके किया गया। इसके बाद सकल दिगंबर जैन समाज कमेटी द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जौंला ने बताया कि सर्वप्रथम मुनि श्री अनुसरण सागर महाराज का पादप्रक्षालन श्रेष्टि मूलचंद त्रिलोक कुमार हरभगतपुरा द्वारा किया गया। इसके बाद श्रेष्ठी विष्णु कुमार राहुल कुमार बोहरा द्वारा जिनवाणी भेंट की गई। तत्पश्चात श्रावक श्रेष्टि नरेंद्र कुमार दिलीप कुमार अमन कुमार भांजा परिवार द्वारा मुख्य मंगल कलश को स्थापित किया।

वेद ज्ञान

आत्मश्लाघा करने वाले होते हैं पराजित

आत्मश्लाघा को मुहावरे की भाषा में अपने मुंह मियां मिट्ठू बनना कहते हैं। अधिकांश लोग अपनी पीठ खुद ही थपथपाते दिखाई पड़ते हैं। कहीं किसी विशिष्ट कार्य की चर्चा हुई नहीं कि खुद को उससे विशिष्ट कार्य करते रहने की डींग हांकने लगते हैं। इन्हीं आदतों से वे लोगों के बीच मजाक के पात्र बनते हैं। दरअसल मनुष्य का अहं जब उसके सिर पर चढ़ जाता है तो वह जल्दी उतरता नहीं। वह जो नहीं है, वह दिखाना चाहता है। साथ ही बात-बात में यह भी लोगों के बीच जताता है कि वह बहुत चालाक और बुद्धिमान है। ऐसे लोग बात-बात में यह कहते दिख जाएंगे कि मैंने ऐसा दांव मारा, ऐसी चालाकी दिखाई, ऐसी तिकड़म भिड़ाई कि किसी की दाल नहीं गलने दी। इसके विपरीत श्रेष्ठ जन इस तरह की आदतों से बचते हैं। दिखाई तो पड़ते हैं बहुत सामान्य, लेकिन होते हैं विशिष्ट। जिसका नतीजा होता है कि जब वे कोई बड़ा कार्य कर जाते हैं, तब लोग दांतों तले अंगुली दबा लेते हैं। मनुष्य को चाहिए कि वह यत्र-तत्र-सर्वत्र मैं श्रेष्ठ हूं, बड़े से बड़ा कार्य मैं ही कर सकता हूं-सरीखी डींग नहीं हांके। थोड़ी देर के लिए मान लें कि डींग तो हांक दी, लेकिन कार्य नहीं कर सके तो उपहास के पात्र बनने के सिवाय और कोई रास्ता नहीं रह जाएगा। हर काल में अनेक ऐसे दृष्टांत मिल जाएंगे कि आत्मश्लाघा करने वाले पराजित होते रहे हैं, जबकि विनम्र महापुरुष जो भी काम शुरू किए उसमें सफल होते रहे। महात्मा गांधी, महामना मदनमोहन मालवीय जैसे महापुरुष अहंकार की भावना से कोसों दूर रहे। लिहाजा क्रूर ब्रिटिश शासकों को घुटने टेकने के लिए उस काल के महापुरुषों ने विवश कर दिया। सामान्य सा जीवन जीने वाले महामना मदनमोहन मालवीय ने इतना बड़ा विश्वविद्यालय स्थापित किया जो किसी अहंकारी व्यक्ति के लिए संभव नहीं था। मालवीय जी विश्वविद्यालय के लिए अपमानजनक स्थितियों का सामना करने के बावजूद विचलित नहीं हुए। सफलता विनम्र भाव से और एकजुट होकर कार्य करने से मिलती है। अहंकारी व्यक्ति खुद को बड़ा और कार्य को छोटा मान लेता है, जबकि किसी भी कार्य में सुविचारित योजना, टीम भाव होता है, तब लोगों का सहयोग और शुभकामनाएं मिलती हैं।

संपादकीय

गरिमा के अनुरूप आचरण की अनदेखी घातक

संवैधानिक पदों का निर्वाह करने वाले लोगों को आपराधिक मामलों में सुनवाई, सजा आदि से इसलिए संरक्षण प्रदान किया गया है कि इससे उस पद की गरिमा आहत हो सकती है। ऐसे लोगों से भी यह स्वाभाविक अपेक्षा रहती है कि वे उस पद की गरिमा के अनुरूप आचरण करें। मगर इस तकाजे की कई बार अनदेखी की जाती है। खासकर राज्यपालों के कार्य और व्यवहार को लेकर अनेक मौकों पर अंगुलियां उठी हैं। पश्चिम

बंगाल के राज्यपाल पर राजभवन में काम करने वाली एक महिला ने आरोप लगाया कि उन्होंने उसका यौन उत्पीड़न किया और राजभवन के अधिकारियों ने उसे राजभवन में बंधक बनाए रखा। मामला उच्च न्यायालय तक पहुंच गया। अदालत ने कहा कि राज्यपाल को संविधान के अनुच्छेद 361 के तहत आपराधिक मामलों में संरक्षण प्राप्त है। उन पर तब तक कोई मुकदमा नहीं चलाया जा सकता, जब तक वे अपने पद पर हैं। तब पीड़िता ने सर्वोच्च न्यायालय में गुहार लगाई कि अनुच्छेद 361 के खंड दो में राज्यपालों को दी गई छूट में मामले की जांच पर रोक का कोई उल्लेख नहीं है। यौन उत्पीड़न जैसे मामलों में जांच में देरी पीड़िता को न्याय दिलाने में बाधा है। सर्वोच्च न्यायालय इस मामले के मद्देनजर अनुच्छेद 361 की समीक्षा को राजी हो गया है। सर्वोच्च न्यायालय ने अनेक मामलों में संवैधानिक प्रावधानों की व्याख्या कर मनमानी लाभ लेने वालों पर नकेल कसी है, इसलिए इस मामले में भी लोगों को उम्मीद बनी है कि संवैधानिक संरक्षण की आड़ में राज्यपालों के अपने पद की गरिमा के प्रतिकूल व्यवहारों पर रोक लगाने का कोई व्यावहारिक रास्ता निकल सकेगा। साथ ही इस सिद्धांत की रक्षा होगी कि कानून की नजर में सभी बराबर हैं। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह राज्य सरकारों और राज्यपालों के बीच टकराव के अनेक मौके देखे गए और उनमें से कई में सर्वोच्च न्यायालय ने राज्यपाल के अधिकारों की व्याख्या करते हुए उनकी राजनीतिक सक्रियता पर विराम लगाया, उससे भी सर्वोच्च न्यायालय के ताजा कदम पर सबकी नजर रहेगी। यों राज्यपालों की नियुक्तियों को लेकर ही लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। सक्रिय राजनीति में लंबा समय बिता चुके लोगों को राज्यपाल पद की जम्मेदारी सौंपी जाती है, तो वे राजभवन में रहते हुए भी अपने दल और केंद्र सरकार की इच्छाओं के अनुरूप काम करते देखे जाते हैं। यही वजह है कि जहां उन्हें राज्य की चुनी हुई सरकार के साथ तालमेल बिठा कर फैसले करने चाहिए, वे नाहक उसके काम में अड़ंगा लगाना शुरू कर देते हैं। पश्चिम बंगाल में भी लंबे समय से यही देखा जा रहा है। इसी आधार पर राज्यपाल शुरू में अपने ऊपर लगे आरोप को राज्य सरकार की साजिश कह कर खारिज करने का प्रयास करते रहे। मगर मामला इतना हल्का है नहीं। किसी राज्यपाल पर छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न का आरोप उस पद की गरिमा को चोट पहुंचाने जैसा है। ऐसे मामलों की सच्चाई तो किसी भी हाल में उजागर होनी चाहिए। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

आंदोलन और हिंसा

बांग्लादेश में आरक्षण विरोधी आंदोलन के हिंसक रुख अख्तियार कर लेने से वहां की सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। वहां के युवा न तो पुलिस-प्रशासन की बात सुनने को तैयार हैं और न प्रधानमंत्री शेख हसीना के अनुरोध और दलील का उन पर कोई असर हो रहा है। प्रदर्शन के दौरान हिंसा से अब तक सौ से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और सैकड़ों घायल हुए हैं। हालात इस कदर बिगड़ गए हैं कि पूरे देश में कर्फ्यू लगाना पड़ा और उग्र प्रदर्शनकारियों को ह्यदेखते ही गोली मारनेह्न के आदेश दे दिए गए हैं। ऐसे में वहां रह रहे भारत, नेपाल और भूटान समेत अन्य देशों के लोगों को अपनी सुरक्षा की चिंता सताने लगी है। भारतीय विदेश मंत्रालय के मुताबिक, बांग्लादेश में करीब पंद्रह हजार भारतीयों के होने का अनुमान है। इनमें लगभग साढ़े आठ हजार विद्यार्थी हैं। अब तक एक हजार से अधिक भारतीय विद्यार्थी स्वदेश लौट आए हैं। केंद्र सरकार की ओर से बाकी भारतीय नागरिकों को सुरक्षित वापस लाने के प्रयास जारी हैं। इस बीच, बांग्लादेश-भारत सीमा पर सतर्कता बढ़ाने की मांग भी उठने लगी है। दरअसल, बांग्लादेश में हिंसक आंदोलन पर उतरे युवा उस व्यवस्था को समाप्त करने की मांग कर रहे हैं, जिसके तहत वर्ष 1971 में पाकिस्तान के खिलाफ बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में लड़ने वाले पूर्व सैनिकों के आश्रितों को सरकारी नौकरियों में तीस फीसद तक आरक्षण का प्रावधान है। प्रदर्शनकारियों का तर्क है कि आरक्षण की इस व्यवस्था के जरिए प्रधानमंत्री शेख हसीना के समर्थकों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। गौरतलब है कि शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी ने मुक्ति संग्राम आंदोलन का नेतृत्व किया था। प्रधानमंत्री शेख हसीना का कहना है कि युद्ध में भाग लेने वालों को सम्मान मिलना चाहिए, भले वे किसी भी राजनीतिक संगठन से जुड़े हों। बांग्लादेश

सरकार और प्रदर्शनकारियों की दलीलें अपनी जगह हैं, लेकिन क्या अपनी मांगों को मनवाने की हिंसा ही एकमात्र उपाय है? जहां प्रदर्शनकारियों को शांतिपूर्वक अपनी बात सरकार के समक्ष रखनी चाहिए, वहीं सरकार को चाहिए कि सड़कों पर उतरे युवाओं को किसी तरह भरोसे में ले, ताकि पहले हिंसा थमे।

रोटरी सिटीजन का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन का नयी कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह 20 जुलाई को चंदन वन , टोंक रोड़ पर भव्यता के साथ संपन्न हुआ । रोटरी प्रांत 3056 पूर्व प्रांतपाल बलवंत सिंह चिराना ने वर्ष 2024-25 के लिए दिनेश जैन बज को अध्यक्ष, नरेन्द्र मित्तल को सचिव , नीरज काला को कोषाध्यक्ष अन्य पदाधिकारियों को शपथ दिलायी। अध्यक्ष दिनेश जैन बज ने बताया की प्रांत के सबसे बड़े क्लब का अध्यक्ष बनाना बड़े गौरव की बात है , इस वर्ष वे पीड़ित मनवाता की सेवा में अनेक कार्य करेंगे और साथ ही साथ क्लब के फेलोशिप कार्यक्रम भी होंगे जिनमें नाईट आउट कार्यक्रम , होली दिवाली मिलन, क्रिकेट टूर्नामेंट, मानवता सेवा हेतु सेवा सप्ताह का आयोजन जैसे अनेक कार्यक्रम होंगे । समारोह की विशिष्ट अतिथि प्रांतपाल इलेक्ट प्रज्ञा मेहता थी, उन्होंने अपने उद्बोधन में क्लब के किए गये सेवा कार्य की भरपूर प्रशंसा की । क्लब सचिव नरेन्द्र मित्तल ने क्लब के अब तक किए गये कार्य और भविष्य में होने वाले कार्यक्रम पर प्रकाश डाला ।पूर्व प्रांतपाल बलवंत सिंह चिराना ने कहा कि सिटीजन क्लब प्रांत के अग्रणी क्लबो में आता है इस तरह के क्लब प्रांत में होना सम्मान की बात है । चार्टर अध्यक्ष सुधीर जैन गोधा ने कहा कि आज क्लब अपना चार्टर डे भी बनाने जा रहा है , मात्र 6 वर्ष की अल्प आयु में ही क्लब ने जो उचाइया हासिल की है उसके लिए सभी सदस्यों का दिल से आभार। इस अवसर पर चार्टर डे का केक भी काटा गया, कोषाध्यक्ष नीरज काला ने बताया कि इस अवसर पर क्लब में 31 नये सदस्यों को भी जोड़ा गया और उनको सदसता की शपथ दिलायी। समारोह का संचालन प्रीति सक्सेना ने किया। इस अवसर पर सिटीजन क्लब के सदस्यों के अलावा जयपुर के अनेक रोटरी क्लबो के अध्यक्ष-सचिव उपस्थित थे।

इस अवसर पर चार्टर डे का केक भी काटा गया, कोषाध्यक्ष नीरज काला ने बताया कि इस अवसर पर क्लब में 31 नये सदस्यों को भी जोड़ा गया और उनको सदसता की शपथ दिलायी। समारोह का संचालन प्रीति सक्सेना ने किया।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव में मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने किया डॉक्टर अनुपम जैन की कृतियों का विमोचन

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के सभागार में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में मनाया गया गुरु पूर्णिमा महोत्सव। मुख्यमंत्री ने महोत्सव में उपस्थित पूर्व कुलपतियों एवं वरिष्ठ गुरुजनों का सम्मान किया वहीं इंदौर के अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गणितज्ञ प्रोफेसर डॉ अनुपम जैन द्वारा संपादित प्रसिद्ध जैनाचार्य संत श्री योगींद्र सागर जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाशित शोधालेखों का संकलन ऱयोगी प्रसूनऱ एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के 12 संकलित शोध पत्रों पर डॉक्टर जैन द्वारा संपादित कृति मैथमेटिक्स इन एनसीए 2 जैन लिटरेचर का भी लोकार्पण किया। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि कुलगुरु प्रोफेसर डॉक्टर रेणु जैन ने डॉ अनुपम जैन का परिचय देते हुए इन कृतियों की विषय वस्तु के संबंध में जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ यादव ने अपने संबोधन में गुरु पूर्णिमा का महत्व बताते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरुओं का स्थान सर्वश्रेष्ठ है। वे शिक्षा के साथ ज्ञान का भी प्रसार करते हैं और अपने शिष्यों को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आपने मंच से घोषणा की कि गुरुजनों के सम्मान में अब हर वर्ष स्कूल कॉलेज में गुरु पूर्णिमा महापर्व मनाया जाएगा और विद्यार्थियों को गुरुओं का महत्व बताया जाएगा। समारोह में मंच पर प्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, अतिरिक्त मुख्य सचिव के सी गुप्ता, महापौर पुष्प मित्र भार्गव, विधायक गोलू शुक्ला, मालिनी गौड़, उषा ठाकुर, मधु वर्मा, कुल पति डॉ रेणु जैन, एवं पूर्व कुलपति डॉक्टर मिथिला प्रसाद त्रिपाठीभी उपस्थित थे सभी ने डॉ अनुपम जैन को बधाई दी।

कारगिल युद्ध के योद्धा कर्नल वाई एस तोमर व साथियों का किया सम्मान

नरेश सिगची. शाबाश इंडिया

रावतसर। कारगिल युद्ध के योद्धा कर्नल वाई एस तोमर का अपने साथियों सहित द साइंस एकेडमी के एनएसपी स्कूल में आगमन हुआ। इस अवसर पर आयोजित स्वागत समारोह में कर्नल वाइ एस तोमर ने छात्रों के साथ कारगिल युद्ध कि स्मृतियाँ सांझा की और बताया कि कैसे कारगिल युद्ध में विषम परिस्थितियों में भी भारतीय सेना के जवानों ने अपने अदम्य साहस का परिचय देते हुए दुश्मनों के दांत खट्टे किए। कर्नल वाई एस तोमर भारतीय सेना के निर्भीक, साहसी और एक कर्त्तव्यपरायण अधिकारी हैं जो कारगिल युद्ध के समय 20वीं ग्रेनेडियर्स में यंग ऑफिसर के रूप में तैनात थे परंतु बाद में उन्हें 18वीं ग्रेनेडियर्स में वरिष्ठ कंपनी कमांडर तैनात किया गया और इन्हें अपने साथियों सहित टाइगर हिल फतेह करने का फरमान मिला। कर्नल वाई एस तोमर ने बड़ी ही कार्यकुशलता और अदम्य साहस का परिचय देते हुए कारगिल में विजय हासिल की। स्वागत कार्यक्रम में कर्नल तोमर के साथ रिसाल सिंह (रिसालदार), सिपाही विजय सिंह, सिपाही जीतेन्द्र सिंह और विक्रम सिंह (नायक) मौजुद रहे।

'गुरु पूर्णिमा' यह शब्द सुनते ही मन में कई उमड़ते हैं भाव

महावीर भगवान के इस शासन काल में गौतम गिणधर स्वामी नतमस्तक थे वीर शासन का हुआ प्रभाव...

ज्ञान बिना जीवन नहीं,,, गुरु बिना सम्यक नहीं,,,
वीर प्रभु की हर वाणी को जिनवाणी की राह मिली,,,
धर्म की राह पर चलना ही गुरु हमें सीखाता,,,
गुरु के बिना जीवन अधूरा अपना तन आलस में भर जाता,,,
षट-आवश्यक नित्य दिन जब करता है प्राणी,,,
तभी तो उसके भाग्य खुलते,,नहीं तो जीवन है पानी,,,
नहीं होता जब गुरु का साथ,,कौन पकड़ता हमारा हाथ,,,
भटक जाते हम जीवन की राह पर करते पाप दिन और रात,,,
कर्म काटने के लिए पुण्य करना पड़ता है प्रगाढ़,,,
चार ऋतुओं का है संगम, पतझड़, सावन, बसंत ,बहार,,,
मानव जीवन मिला है हमें, उसमें मिले जिनेंद्र भगवान,,,
उच्च कूल में जन्म लिया है नतमस्तक हो जाओ और करो हमेशा गुरु को प्रणाम
गुरु पूर्णिमा की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएं
लेखकः ज्योति संजय छाबडा

जेडएएनआर-पेन फ्री वॉक क्लिनिक का शुभारंभ आज

फिनलैंड की ए.आई. तकनीक से पैर से संबंधित समस्याओं का होगा ईलाज

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्याम नगर, जनपथ स्थित किशन मार्ग में जेडएएनआर-पेन फ्री वॉक क्लिनिक का शुभारंभ सोमवार सुबह 11 बजे हुआ। न्यूज चौनल भारत 24 के सीईओ और एडिटर इन चीफ और फर्स्ट इंडिया न्यूज के सीएमडी जगदीश चंद्रा ने फीता काटकर उद्घाटन किया। क्लिनिक में फिनलैंड की ए.आई. तकनीक से विशेष रूप से पैर से संबंधित समस्याओं का ईलाज होगा जो घुटनों और पीठ के दर्द को भी कम करने में मददे करेगा। डॉ. नकुल रंगा ने बताया कि जब हम युद्ध में जाते है तो हमें तलवार के साथ ढाल की भी जरूरत पड़ती है उसी, प्रकार फीजियोथैरेपी मर्ज को तो काटती है लेकिन दिनचर्या में अलग अलग जमीन, प्रांगण पर चलने-फिरने और हमारे कामकाज में कई प्रकार से जोड़ों पर दवाब पड़ता है जिससे पैर, पीठ, घुटनों और ऐड़ी में दर्द होने लगता है। कसरत आप एक घंटा करते हैं पर दिनचर्या के काम 12 घंटे से ज्यादा समय तक करते हैं तो एक ढाल भी चाहिए जिससे कि हम पूरी जंग जीत सकते हैं। इस नवीन क्लिनिक में फुट करेक्शन इनसोल और शू क्लिनिक कार्यक्रम होगा। जिससे मरीजों को ऐड़ी और तलवे में होने वाले दर्द की समस्या से निजात मिलेगी। डॉ. जिशान अली ने बताया कि दिल्ली और मुंबई में एआई तकनीक से ईलाज करने के लिए कई क्लिनिक हैं लेकिन राजस्थान में एआई तकनीक पर आधारित पहली और भारत में चौथी मशीन हमारे क्लिनिक में लगने जो रही है। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार अब्दुल गनी सहित गणमान्य जन उपस्थित रहे।

अहिंसा व्रत के पालन के लिए होता है चातुर्मासः आचार्य विमर्श सागर

नगर के 17 श्रद्धालुओं ने कलश स्थापना समारोह में सहभागिता कर गुरुदेव का आशीर्वाद प्राप्त किया

नई दिल्ली

कृष्णा नगर दिल्ली की पावन वसुंधरा पर भावलिंगी संत आचार्य विमर्श सागर जी ससंघ 24 पिच्छी के चातुर्मास 2024 के मंगल कलश स्थापना का आयोजन सोमवार को सम्पन्न हुआ। विमर्श जागृति मंच के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सुभाष जैन कैंची ने बताया कि अपने गुरूदेव 'भावलिंगी संत' के चातुर्मास मंगल कलश स्थापना का पुण्य अपनी झोली में डालने के लिए अशोकनगर, जबलपुर, अलीगढ़, आगरा, बड़ौत, एटा, कोटा, झांसी, जतारा, विजयनगर, जबलपुर, सिवनी, लखनादौन, मेहमुंदाबाद, रामपुर मथुरा टीकमगढ़, बारांबंकी, गाजियाबाद, तिजारा, भिंड सहित देश भर के गुरूभक्तों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। सभी गुरुभक्तों को चातुर्मास समिति द्वारा सम्मानित किया गया। दीप प्रज्वलन, चित्र अनावरण, पाद प्रक्षालन, शास्त्र भेंट के पश्चात संगीत की स्वर लहरियो के मध्य कलशों की स्थापना का सौभाग्य बोलियों के माध्यम से भक्तों को मिला। धर्म सभा में अपने सद् उपदेश में गुरूदेव विमर्श सागर जी ने कहा कि जो भी निर्ग्रंथ तपोधन चातुर्मास कर रहे है वे सब जिन आगम में वर्णित अहिंसा धर्म का पालन कर रहे है। जिनमुद्रा परम वंदनीय है। सूक्ष्म जीवों पर दया,करुणा का नाम चातुर्मास है। बरसात में अनेकों सूक्ष्म जीवों की उत्पत्ति हो जाती है उनकी रक्षा के निमित्त अहिंसा व्रत के पालन के लिए आगम के अनुसार साधु चार माह एक स्थान पर रहकर धर्म साधना करते है। शिष्य का दायित्व है कि वह अपने को चार माह के बन्धन में नही बांध सकता तो गुरुसेवा कर पुण्यार्जन अवश्य करें।गुरुदेव ने कहाकि चतुर्थ काल में मुनि जंगल में निर्जन स्थान पर चातुर्मास किया करते थे एवं श्रावक भी इतने ज्ञानवान थे कि वह भी मुनियों के साथ चार माह तक रहकर अहिँसा व्रत की साधना किया करते थे परन्तु पंचम काल में ऐसा होना वर्तमान परिस्थितियों में संभव नहीं है अतः साधुजन अपने चातुर्मास की स्थापना नगरों में करके श्रावको को उपदेश देकर उनके मोक्ष मार्ग की तपस्या में सहायता करते हैं एवं स्वयं के कल्याण के साथ-साथ श्रावकों का भी कल्याण मार्ग प्रशस्त करते हैं। देश भर में जहां-जहां साधुओं के चातुर्मास हो रहे हैं वह सभी निर्विघ्न संपन्न हो ऐसी मेरी मंगल भावना है। आप भी भगवान शांतिनाथ से प्रार्थना करना की सभी दिगंबर मुद्रा धारी साधुओं के रत्नत्रय की आराधना बहुत अच्छे से हो और श्रावक भी उनसे उपदेश ग्रहण कर अपना कल्याण करें,इसी प्रकार धर्ममार्ग पर लगे रहें। विगत दिन गुरुपूर्णिमा समारोह पूर्वक मनाई गई। सभी दिल्ली वासी पुण्यशाली हैं जो गुरवर ने यहां चातुर्मास का आशीर्वाद प्रदान किया। नगर से 17 गुरुभक्तों ने विमर्श जागृति मंच के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सुभाष जैन कैंची के नेतृत्व में चातुर्मास कलश स्थापना समारोह में सहभागिता कर गुरुदेव का आशीर्वाद प्राप्त किया। श्रमणा चार्य गुरुवर श्री विमर्श सागर जी के सानिध्य में कि भव्य एवं गरिमामय समारोह में भक्तों ने समाधिस्त गणाचार्य विराग सागर जी एवं श्रमणा चार्य गुरुवर श्री विमर्श सागर जी की पूजन की अनेकों सांस्कृतिक एवं भक्ति कार्यक्रम किये गए,श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बनता था।अशोकनगर से विमर्श जागृति मंच के अध्यक्ष अनूप बाबू ,कोषाध्यक्ष चंद्रेश जैन,सुबोध सराफ,सोनू वारदाना,रिंकू भारत,विशाल बाँझल, सहित अन्य गुरुभक्तों ने कार्यक्रम में सहभागिता की।

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर झोटवाड़ा में आचार्य 108 श्री शशांक सागर जी ससंघ के सानिध्य में मनाया गुरु पूर्णिमा पर्व

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर झोटवाड़ा मैं गुरु पूर्णिमा पर्व आचार्य 108 श्री शशांक सागर जी ससंघ के सानिध्य में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन एवं चित्र अनावरण मुकेश आशा लक्ष्य मुस्कान ग्रंथि पाटनी परिवार कालुवास वालों ने कर के किया और यह परिवार वात्सल्य भोज के पुण्यार्जक भी है। बालिका मंडल की अध्यक्ष सुश्री पूजा पांड्या ने बालिका मंडल की बालिकाओं के साथ मंगलाचरण किया। गुरुदेव के पाद पक्षालन करने का सौभाग्य बीना मुकेश कमल राजकुमार राकेश रमेश रावका परिवार सिनोदिया वाला ने किया। गुरुदेव को शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य प्राप्त किया विजय संतोष देवी उमंग ठोलिया परिवार सुरेरा मंडा वालों ने। उसके बाद आचार्य श्री 108 शशांक सागर जी महामुनिराज की अष्ट द्रव्यों से पूजा बड़े ही धूमधाम के साथ पंडित रमेश जैन जोबनेर वालों एवं संगीतकार पुखराज जैन एंड पार्टी कोटा वालों के द्वारा संगीत की मधुर ध्वनि के साथ कराई गई। तदपश्चात आचार्य श्री की मंगल वाणी से प्रवचन सुनने के साथ-साथ गुरु पूर्णिमा का महत्व भी समझाया । कार्यक्रम समापन के बाद सभी के लिए वात्सल्य भोज की व्यवस्था भी की गई थी। सभी कार्यक्रमों में श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ जहां पर की आचार्य श्री का चातुर्मास होने जा रहा है वहां के अध्यक्ष एमपी जैन के साथ-साथ सभी पदाधिकारी एवं समाज गणों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। अध्यक्ष धीरज सीमा पाटनी ने बताया किआए हुए सभी अतिथियों का श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर पदाधिकारी ने स्वागत एवं सम्मान किया।

विकास जैन बड़जात्या होंगे श्री सुनील सागर युवा संघ (रजिस्टर्ड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष

किशनगढ़, राजस्थान में चतुर्थ पट्टाचार्य श्री 108 सुनील सागर जी महामुनिराज जी के श्री चरणों में गुरुजी से लिया आशीर्वाद

किशनगढ़, अजमेर. शाबाश इंडिया

श्री सुनील सागर युवा संघ की राष्ट्रीय कार्यकारणी की बैठक किशनगढ़ राजस्थान में हुई। सभी सदस्यो ने सुबह मुनि श्री 108 सुश्रुत सागर महाराज जी से पावन आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन लिया। इसके बाद कार्यकारणी की बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में विकास जैन बड़जात्या वैशाली नगर जयपुर निवासी को श्री सुनील सागर युवा संघ का राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। इसके बाद सभी सदस्यों ने चतुर्थ पट्टाचार्य श्री 108 सुनील सागर जी गुरुदेव के श्री चरणों में श्रीफल चढ़ाया एवं आशीर्वाद लिया। विकास जैन बड़जात्या के परिवार का संबंध संघ से काफी पुराना रहा है। उनका परिवार संयम पथ पर चलने वालों एवं गुरु सेवा के लिए समाज के लिया एक मिसाल है। विकास के आदरणीय पिताजी गजेंद्र जैन (वर्तमान में वैशाली नगर जैन समाज के अध्यक्ष) के गृहस्थ जीवन की बुआ संयम पथ पर आगे चलते हुए वात्सल्य रत्नाकर आचार्य श्री 108 विमल सागर जी महाराज से दीक्षित 20वी सदी की प्रथम गणिनि आर्यिका 105 विजयमती माता जी बनी एवं स्वयं का उद्धार किया। इनके बाद संघ में वर्तमान में इनकी गृहस्थ जीवन की मौसी छुल्लिका 105 संभावमती माता जी है। इनकी नानी ने जयपुर चातुर्मास में अंतिम समय में आचार्य श्री जी संयम ग्रहण किया,दीक्षा लेने के बाद सुशांतिमती माता जी के रूप में समाधि मरण को प्राप्त किया। विकास एवं इनके बड़े भाई प्रवीण ने 2550 निर्वाण महोत्सव हेतु जयपुर में रथ बनवाने में अग्रणीय भूमिका निभाई।साधुओं की समाधि, आहार विहार, पंचकल्याणक में संपूर्ण परिवार का समर्पण बेहद अनुकरणीय रहा है।विकास जी का संबंध कामां नगर से है। इन्होंने इ.ळीँ एउए ाीस्त्र३. में लौकिक शिक्षा प्राप्त की। वर्तमान में यह पारिवारिक लॉजिस्टिक बिजनेस में अपना योगदान दे रहे है। विकास अपनी धर्मपत्नी श्रीमती मेनका जैन , दो बेटियों एवं सम्पूर्ण परिवार के साथ गुर चरणों में सदैव समर्पित रहते है। टीम सन्मतिसुनीलम्‌ विकास जी जैन बड़जात्या को हार्दिक बधाई एवं शुभकामना देती है। हमे आशा ही नही अपितु पूर्ण विश्वास है की विकास जैन राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद की गरिमा को बहुत ऊंचे स्तर तक ले जायेंगे।

ओपन अंतरराष्ट्रीय रेटिंग शतरंज टूर्नामेंट के पोस्टर का विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी रवि नैय्यर के जन्मदिन के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन आर्य समाज मंदिर राजा पार्क में किया गया एवं रवि नैय्यर की मौजूदगी में विश्व शतरंज महासंघ कैंडिडेट मास्टर होनी अरोड़ा के कर कमलो द्वारा ओपन अंतरराष्ट्रीय रेटिंग शतरंज टूर्नामेंट 2024 के पोस्टर का विमोचन किया गया। इस मौके पर चेस पेरेंट्स एसोसिएशन राजस्थान के कोषाध्यक्ष राजेंद्र अरोड़ा जवाहर नगर व्यापार मंडल के अध्यक्ष राजेंद्र नारंग लोकेश खुराना एवं अन्य बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। जिनेश कुमार जैन मीडिया प्रभारी चेस पेरेंट्स एसोसिएशन ने बताया कि यह टूर्नामेंट 7 एवं 8 सितंबर 2024 को एसएमएस इंडोर स्टेडियम जयपुर में आयोजित होगा एवं इस टूर्नामेंट में ₹3 लाख नगद एवं बहुत सी ट्रॉफीज प्राइज मनी के रूप में रखी जायेगी। रवि नैय्यर जी ने जयपुर की जनता से आह्वान किया है कि इस टूर्नामेंट में ज्यादा ज्यादा संख्या में भाग लेवे एवं इस तरह के आगेनाईजेशन के लिए चेस्ट पेरेंट्स एसोसिएशन परिवार को बहुत-बहुत साधुवाद दिया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

गुरु पूर्णिमा एक आदर्श परम्परा को लेकर भारतीय संस्कृति का हिस्सा बनी : मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज

सागर में चातुर्मास कलशों की स्थापना के साथ वर्षावास शुरू

गुरु पूर्णिमा महोत्सव में देशभर पहुंच भक्त भाग्योदय तीर्थ में अपनी भक्तों समर्पित कर रहे हैं: विजय धुर्रा

सागर. शाबाश इंडिया

भारत में तमाम तरह की परम्पराओं को भारतीय संस्कृति सभ्यता से जोड़ कर पर्व का रुप दिया है गुरु पूर्णिमा एक आदर्श परम्परा है जिसमें जीवन को संभालने संभारने वाले आदर्श व्यक्तित्व को गुरु के रूप में स्वीकार कर अपने जीवन को उन्नत वनने के लिए उनके मार्गदर्शन में व्यक्ति आगे बढ़ता चला जाता है चाहे वह फिर लौकिक क्षेत्र हो अथवा पारमार्थिक क्षेत्र कुशल निर्देशक का मार्गदर्शन जीवन में सुख शांति समृद्धि के साथ परमार्थ भूत आत्म तत्व की पहचान कराकर उसे प्राप्त करने के लिए सन्हे सन्हे आगे बढ़ जाता है और एक दिन अपने जीवन के लक्ष्य को प्राप्त कर लेता है इसलिए जीवन में गुरु का होना आवश्यक है कहा भी गया है जिसका कोई गुरु नहीं उसका जीवन शुरू नहीं उक्त आश्य केउद्गार मुनि पुगंव श्रीसुधासागरजी महाराज ने भाग्योदय तीर्थ सागर में गुरु पूर्णिमा महोत्सव की विशाल सभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

आनंद और उल्लास से भरे भाग्योदय तीर्थ में भक्ति की वर्षा हो रही है : विजय धुर्रा

गुरु पूर्णिमा महोत्सव का संचालन करते हुए मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि आज सागर का भाग्योदय तीर्थ देशभर से पधारे गुरु भक्तों की भक्ति से आनंद और उल्लास में डूबा हुआ है हर चेहरे पर मुस्कान और खुशी विखिर रही है सब अपनी अपनी भावनाओं की थाल सजाएं बैठे हैं समारोह के प्रारंभ में भाग्योदय पाठ शाला के वच्चो संगीत के साथ नृत्यमय मंगलाचरण की प्रस्तुति दी इसके बाद आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज द्वारा रचित मूक माटी महा काव्य पर माटी की गौरवगाथा प्रस्तुत की गई इस दौरान परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमणमुनि पुंगवश्रीसुधासागर जी महाराज के पाद प्रक्षालन का सौभाग्य अहमदाबाद से पधारे विनय भाई हुकम काका कोटा सुशील मोदी सचिन जैन दिल्ली गजेन्द्र जैन खेड़का विनोद छाबड़ा कमल जैन शील चन्द्र अनौरा विजय धुर्रा सहित सैकड़ों भक्तों ने पाद प्रक्षालन का सौभाग्य प्राप्त किया।

महापूजा में देशभर के भक्तों ने किया अर्घ्य को समर्पित

महापूजा के प्रारंभ में ओनल पंकज भीलवाड़ा के मधुर भजनों से संगीत के साथ सजी थी इसमें श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर जयपुर बालिका छात्रावास अधिस्ठात्री शीला डोडिया ने महा पूजा का शुरू करते हुए कहा कि सन्उन्नीस सो छायनवे में एक कक्ष से शुरू आज देशभर की आस्था के साथ ही जैन समाज में हर जगह उत्सव का रुप वन गया है महापूजा में सर्वप्रथम ललितपुर से एक सौ आठ रजतश्रीफल अष्टमद्दव्यो में संजय रशिया शील चन्द्र अनौरा अनिलअंचल श्रीष जैन ने सभी भक्तों के साथ समर्पित किए इसके बाद भक्तों की भक्ति से सजे महोत्सव में आचार्य भगवंत की पूजन की इसके साथ ही नवाचार्यश्री समयसागरजी महाराज को अर्घ्य समर्पित किया गया इसके बाद परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज की महा पूजन देशभर के विभिन्न नगरों से आयें प्रमुख जनो के साथ तीर्थ कमेटियां समाज प्रमुख जनो वभक्तों ने पूजन के थाल सजाएं समर्पित किए जिनमें विनय भाई अहमादाबाद हुकम काका कोटा राजेश डयनोष राकेश मंडियां सुशील मोदी सचिन जैन विनोद छाबड़ा जेके जैन जयपुर विकास पटवारी विजोलिया आनंद जैन रामगंजमंडी नरेन्द्र जैन पांड्या नरेंद्र वज मनीष गदिया मिश्री अनिल गदिया अजमेर रुपेश जैन अनिल जैन आगरा पी एम सूरत झांसी सीकर सूरत उदयपुर गुना राधौगढ़ कोटा जबलपुर कटनी दमोह सहित अन्य प्रमुख स्थानो से पधारे भक्तों ने श्रद्धा से भरकर अष्टमद्दव्यो को समर्पित किया।

अशोक नगर समाज ने महापूजा में किया अर्घ्य समर्पित

गुरु पूर्णिमा महोत्सव में गुरु देव मुनिपुंगव श्रीसुधासागर जी महाराज की महापूजन भक्तों नृत्य करते हुए सभा के मध्य से द्रव्य के थालों लेकर आने का सौभाग्य प्रतिष्ठा चार्य प्रदीपभइया को ले जैन समाज अशोक नगर अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद मंत्री विजय धुर्रा थूवोनजी कमेटी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल मंत्री विनोद मोदी संरक्षण शैलेन्द्र दददा मनीष श्रंगार विमल जैन जीवन मामा सहित अन्य प्रमुख जनो ने जल समर्पित किया महापूजन में अंचल के मुंगावली से अरविंद जैन मक्की के नेतृत्व सौरव भंयकर राजीव चन्देरी अनिल जैन पतकार अंकित मित्रा अरविंद जैन विनोद जामनेर गुना ईसागढ़ बहदपुर सहित जिले के भक्तों ने अर्घ्य का समर्पण किया।

पवित्र मति माताजी गरिमा मति माताजी की भव्य मंगल कलश स्थापना

नौगामा. शाबाश इंडिया

परम पूज्य विज्ञान मति माताजी की शिष्या पवित्र मति माताजी गरिमा मति माताजी कर्णमति माताजी के चातुर्मास की मंगल कलश स्थापना कार्यक्रम बड़े हर्ष और उल्लास के साथ हुआ आज प्रातः आदिनाथ मंदिर एवं 1008 भगवान महावीर मंदिर विशेष शांति धारा अभिषेक के बाद माता जी के सानिध्य में आदिनाथ विधान किया गया दोपहर 1:00 बजे ध्वजारोहण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ ।इस अवसर पर आचार्य गुरु विद्यासागर जी महाराज की तस्वीर का अनावरण गुजरात मध्य

प्रदेश महाराष्ट्र राजस्थान एवं अन्य राज्य से पधारे हुए अतिथियों द्वारा किया गया ध्वजारोहण करने का सौभाग्य वर्धमान हॉस्पिटल धनपाल मोतीलाल बांसवाड़ा को प्राप्त हुआ। मंगलाचरण के बाद अष्टद्रव्य के थाल सजाकर बड़े भक्ति भाव से महिलाओं द्वारा नाचते गाते हुए अर्ध चढ़ाए गए उनके माध्यम से इस अवसर पर जिनवाणी चैनल के माध्यम से कार्यक्रम का प्रसारण किया गया इसके उपरांत विभिन्न गांव से पधारो हुए सभी पांच महानुभावों का श्री समाज द्वारा दुपट्टा उड़ा कर पगड़ी पहनकर स्वागत किया गया पांच मुख्य कलशों की बोली आदिनाथ कलश नेमिनाथ कलश गुरुवार ज्ञान सागर कलश समय सागर कलश विवेक सागर विवेक सागर कलश की बोलीया हुई।

मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ का मीरा मार्ग के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में हुआ भव्य चातुर्मासिक मंगल प्रवेश

शोभायात्रा एवं धर्म सभा में उमड़े श्रद्धालु

जयपुर. शाबाश इंडिया

अग्रवाल फार्म के मीरा मार्ग स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में सोमवार को संत शिरोमणि आचार्य108श्री विद्यासागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ का 4 किलोमीटर जयकारे लगाते चल रहे थे। श्री वीर सेवक मण्डल जयपुर के कार्यकताओं एवं राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के पदाधिकारियों ने जुलुस की व्यवस्था सम्हाली। जुलूस के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पहुचने पर मुनि संघ ने श्रीजी के दर्शन लाभ प्राप्त किए। तत्पश्चात आदिनाथ भवन पहुंचे। आदिनाथ भवन में आयोजित धर्म सभा में मुनि भक्त आठ प्रतिमाओं के धारी समाजश्रेष्ठी डी सी जैन ने मुनि श्री का पाद पक्षालन का सौभाग्य प्राप्त

की विशाल शोभायात्रा के साथ जयकारों के बीच भव्य 27 वें पावन वर्षा योग हेतु चातुर्मासिक मंगल प्रवेश हुआ। इस मौके पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि प्रातः महावीर नगर दिगम्बर जैन मंदिर के बाहर से मुनि श्री ससंघ का मंगल प्रवेश जुलूस रवाना हुआ जो गायत्री नगर, विजय पथ, मध्यम मार्ग होते हुए मीरा मार्ग के श्री आदिनाथ भवन पहुंचकर धर्म सभा में परिवर्तित हो गया। 4 किलोमीटर दूरी के जुलूस मार्ग में कई स्थानों पर रंगोली एवं स्वागत द्वार बनाये गये थे। श्रद्धालुओं द्वारा जगह जगह पाद पक्षालन एवं मंगल आरती की गई। शोभायात्रा में 3 बैण्ड, हाथी, घोड़े, ऊँट, बग्गिया, नाचते गाते हजारों श्रद्धालुगण,जैन संस्कृति को दर्शाती सजीव झांकियां, श्री श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के छात्र एवं संत सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय की छात्राऐं, महिला मण्डलों की सदस्याऐ जुलूस में किया। इससे पूर्व चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन श्रमण संस्कृति संस्थान के पदाधिकारियों एवं प्राचार्यों ने मिलकर किया । इस मौके पर कई गणमान्य अतिथि एवं मंदिर समितियों के पदाधिकारी शामिल हुए। सभी अतिथियों ने श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मुनि श्री ने अपने प्रवचन में कहा कि आप 4 महीने प्रतिदिन एक घंटा यदि यहां पर आएंगे तो आपको अद्भुत आनंद की प्राप्ति होगी और तनाव से मुक्त होने में मदद मिलेगी। विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि आदिनाथ भवन में प्रतिदिन प्रातः 8:15 बजे मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के नियमित प्रवचन होंगे ' इस मौके पर वीर शासन जयन्ती मनाई गई। मंच संचालन समिति के मंत्री राजेंद्र सेठी ने किया ' मंदिर प्रबंधकारिणी मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मंगलवार 23 जुलाई को प्रातः 8.15 बजे धर्म सभा का आयोजन किया जाएगा।

आचार्य नवीन नंदी गुरुदेव का 23 वां चातुर्मास स्थापना संपन्न

बगरू/जयपुर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य आचार्य नवीन नंदी गुरुदेव की चातुर्मास स्थापना आज प्राचीन ऋषभ देव दिगंबर जैन मंदिर, दहमीं कलां बगरू मे सादगी से संपन्न हुई । मंत्री प्रमोद बाकलीवाल ने बताया कार्यक्रम की शुरूआत ऋषभ देव भगवान के पंचामृत अभिषेक एवम शांति से हुई फिर मंगलाचरण अनिला पाटनी नें किया। चित्र अनावरण एवम द्वीप प्रज्वलन प्रबंध समिति के अध्यक्ष रमेश ठोलीया महावीर पाटनी, मुकेश रूप चंद बगरू नें किया। पाद प्रक्षालन राजकुमार खंडाका,रवि गंगवाल नें किया। शास्त्र भेट प्रशांत बाकलीवाल . मुकेश सतीश बाय वाले. राजीव पंकज अनिला पाटनी, महावीर पाटनी परिवार ने किया। मुख्य मंगल कलश पुण्यार्जक श्रेष्ठी महेश गौरव ,विभोर जैन अम्बाबाडी थे। तीर्थ जीर्णोद्धार कलश धर्म चंद उषा गौरव शुभ जैन थे। कछुआ कलश कुलदीप मधु चौधरी बगरू, राजीव पाटनी ,प्रदीप पाटनी, रवि गंगवाल ने लिया। मयूर कलश पुण्यार्जक प्रमोद प्रिया बाकलीवाल,मनीष निशा छाबड़ा ,रमेश ठोलीया बगरू, महावीर जी बगरू, मुकेश बगरू थे। कार्यक्रम मे पूरे जयपुर से आए गुरु भक्त जनों नें गुरुदेव का पूजन किया व आरती उतारी। इस भव्य समारोह में रवीन्द्र जैन, लक्ष्मण जैन, प्रदीप पाटनी,सुधीर अजमेरा, सुनील गंगवाल, लोकेश सोगानी,जीनेश जैन व अन्य बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए।

अशोक विहार में हुआ ऐतिहासिक चातुर्मास प्रवेश

अरिहंत प्रभु ही वास्तविक गुरु हैं : आचार्य अतिवीर मुनि

नई दिल्ली। प्रशममूर्ति आचार्य श्री 108शान्तिसागर जी महाराज (छाणी) परम्परा के प्रमुख संत परम पूज्य आचार्य श्री 108 अतिवीर जी मुनिराज का गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर राजधानी दिल्ली की धर्मनगरी अशोक विहार फेज-1 स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर में दिनांक 21 जुलाई 2024 को मंगल चातुर्मास हेतु मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर जैन समाज द्वारा आचार्य श्री का ऐतिहासिक स्वागत किया गया। पिछले कई वर्षों के सतत प्रयासों के बाद आचार्य श्री के अशोक विहार क्षेत्र में चातुर्मास स्थापना होने से समस्त क्षेत्र में अत्यंत हर्ष व उमंग का माहौल बना हुआ है। आचार्य श्री का विशाल शोभायात्रा के साथ श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, अशोक विहार फेज-2 से मंगल विहार प्रारंभ हुआ तो गुरुभक्तों ने जयकारों से वातावरण गुंजायमान कर दिया. शोभायात्रा में बैंड-बाजे, नफीरी-ताशा, नासिक ढ़ोल , भजन मंडली, जैन ध्वज, महिला, पुरुष आदि अपार जनसमूह साथ-साथ चल रहे थे. शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण का केंद्र आचार्य श्री के जीवन पर आधारित "नीरज से अतिवीर" की तर्ज पर बनी पांच झांकियां रही। मार्ग में जगह जगह आकर्षक रंगोली बनाकर आचार्य श्री का भावभीना स्वागत किया गया व समाजजन ने अपने-अपने घरों के बाहर पाद प्रक्षालन व मंगल आरती कर पूज्य आचार्य श्री का आशीर्वाद प्राप्त किया. उत्साह व हर्ष से भरपूर भक्तों के साथ महिलाओं ने डांडिया नृत्य करते हुए पूज्य आचार्य श्री का चातुर्मास स्थल पर ऐतिहासिक स्वागत किया गया। धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि चातुर्मास एक ऐसा प्रसंग है जब समाज को संत का सान्निध्य इतने लंबे समय तक प्राप्त होता है। समस्त समाज को इस अमूल्य समय का सदुपयोग करना चाहिए । आचार्य श्री ने आगे कहा कि अरिहंत प्रभु ही हमारे वास्तविक गुरु हैं, साधु तो मात्र परंपरा से गुरु हैं। हम सभी को कल्याण का मार्ग बताने वाले अरिहंत प्रभु ही हैं, उन्होंने ही इस मार्ग का साक्षात्कार किया है. साधु भी उनके बताए मार्ग का ही अनुसरण कर रहे हैं परंतु अभी प्राप्त नहीं किया है।